प्रश्न: क्षेत्रीय सहयोग के विभिन्न मॉडलों का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए: यूरोपीय संघ (EU) और आसियान (ASEAN) के विशेष संदर्भ में।

उत्तर:

1. प्रस्तावना

द्वितीय विश्व युद्ध के उपरांत वैश्विक राजनीति में 'क्षेत्रवाद' (Regionalism) का उदय राष्ट्र-राज्यों की सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए एक अनिवार्य रणनीति के रूप में हुआ। क्षेत्रीय सहयोग के दो सबसे सफल लेकिन वैचारिक रूप से विपरीत प्रतिमान **यूरोपीय संघ (EU)** और **दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन (ASEAN)** हैं। जहाँ यूरोपीय संघ 'सुप्रानैशनलिज्म' (Supranationalism) अर्थात अति-राष्ट्रीयता के माध्यम से राज्यों के विलीनीकरण की दिशा में अग्रसर है, वहीं आसियान 'इंटर-गवर्नमेंटलिज्म' (Intergovernmentalism) के माध्यम से संप्रभुता को अक्षुण्ण रखते हुए सहयोग का मार्ग प्रशस्त करता है।

2. सैद्धांतिक आधार एवं विकास

इन संगठनों की संरचना को समझने के लिए दो प्रमुख सिद्धांतों का उल्लेख प्रासंगिक है:

- **नव-प्रकार्यवाद (Neo-functionalism):** अर्न्स्ट हास के अनुसार, आर्थिक क्षेत्रों में सहयोग स्वतः ही राजनीतिक एकीकरण की ओर ले जाता है (Spill-over effect)। यूरोपीय संघ इसी सिद्धांत का जीवंत उदाहरण है।
- **रचनावाद (Constructivism):** अमिताभ आचार्य जैसे विद्वानों का तर्क है कि आसियान का आधार 'साझा पहचान' और 'सामाजिक मानदंड' हैं, न कि कठोर कानूनी संधियां। इसे 'आसियान शैली' (ASEAN Way) के रूप में जाना जाता है।

3. यूरोपीय संघ (EU): सुदृढ़ एकीकरण का मॉडल

यूरोपीय संघ का मॉडल 'युद्ध को असंभव बनाने' की संकल्पना पर आधारित है। इसकी मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- **साझा संप्रभुता (Pooled Sovereignty):** सदस्य राष्ट्रों ने व्यापार, मुद्रा और न्याय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लेने का अधिकार केंद्रीय संस्थाओं (जैसे- यूरोपीय आयोग) को सौंप दिया है।
- **संस्थागत प्रधानता:** यहाँ 'यूरोपीय न्यायालय' (ECJ) के निर्णय राष्ट्रीय कानूनों से ऊपर माने जाते हैं, जो इसे एक 'अर्ध-संघीय' (Quasi-federal) ढांचा प्रदान करते हैं।
- **मौद्रिक एवं आर्थिक संघ:** साझा मुद्रा 'यूरो' और सीमाविहीन 'शेंगेन क्षेत्र' आर्थिक एकीकरण

के उच्चतम स्तर को दर्शाते हैं।

4. आसियान (ASEAN): संप्रभुता-केंद्रित सहयोग का मॉडल

आसियान का मॉडल यूरोपीय अनुभव से भिन्न, 'एशियाई मूल्यों' और औपनिवेशिक संघर्षों की पृष्ठभूमि में विकसित हुआ है।

- **अहस्तक्षेप और सर्वसम्मति:** आसियान के कार्य संचालन का मूल आधार एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना और सर्वसम्मति (Consensus) से निर्णय लेना है।
- **अनौपचारिकता:** यहाँ कानूनी जटिलताओं के स्थान पर आपसी संवाद और 'सॉफ्ट कन्सल्टेशन' को प्राथमिकता दी जाती है।
- **क्षेत्रीय सुरक्षा संवाद:** आसियान ने स्वयं को एक 'सुरक्षा समुदाय' के रूप में स्थापित किया है, जो दक्षिण-पूर्वी एशिया में महाशक्तियों के प्रभाव को संतुलित करने का कार्य करता है।

5. तुलनात्मक बिंदु

तुलना का आधार	यूरोपीय संघ (EU)	आसियान (ASEAN)
प्रकृति	अति-राष्ट्रीय (Supranational)	अंतर-सरकारी (Intergovernmental)
संप्रभुता	संप्रभुता का आंशिक त्याग	संप्रभुता का पूर्ण संरक्षण
निर्णय प्रक्रिया	बहुमत एवं कानूनी बाध्यता	सर्वसम्मति एवं परामर्श
कानूनी ढांचा	कठोर एवं बाध्यकारी संधि ढांचा	लचीला एवं गैर-बाध्यकारी मानदंड
एकीकरण का स्तर	राजनीतिक एवं आर्थिक संघ	मुक्त व्यापार क्षेत्र एवं सुरक्षा सहयोग

6. आलोचनात्मक मूल्यांकन एवं सीमाएं

किसी भी क्षेत्रीय संगठन की सफलता उसकी चुनौतियों से आंकी जाती है। यूरोपीय संघ वर्तमान में 'लोकतांत्रिक कमी' (Democratic Deficit) और राष्ट्रवाद के पुनरुत्थान (जैसे- ब्रेक्सिट) जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। वहीं, आसियान की 'अहस्तक्षेप' की नीति उसे म्यांमार संकट या दक्षिण

चीन सागर विवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर प्रभावी कार्रवाई करने से रोकती है। विद्वान **माइकल लीफर** के अनुसार, आसियान की शक्ति उसकी एकजुटता में है, लेकिन यही एकजुटता अक्सर निर्णायक कार्रवाई में बाधक बन जाती है।

7. निष्कर्ष

निष्कर्षतः, यूरोपीय संघ और आसियान क्षेत्रीय सहयोग के दो अलग-अलग सफल 'प्रायोगिक मॉडल' हैं। जहाँ यूरोपीय मॉडल आर्थिक लाभ के लिए राजनीतिक एकीकरण को अनिवार्य मानता है, वहीं आसियान मॉडल यह सिद्ध करता है कि बिना संप्रभुता का त्याग किए भी विविधतापूर्ण राष्ट्र शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और आर्थिक समृद्धि प्राप्त कर सकते हैं। वैश्विक संदर्भ में, दोनों ही मॉडल अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों की सर्वश्रेष्ठ परिणति हैं।